

प्रेमक,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शों,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महानिबन्धक,
मा० उत्तरांचल उच्च न्यायालय,
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

देहरादून : दिनांक : 27 अक्टूबर, 2006

विषय: जिला न्यायालय परिसर, नैनीताल में स्थित अधिकारियों के आवासों में प्रथम तल एवं द्वितीय तल हेतु सीढ़ी के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3613/UHC/2005/Admin.B/Const, दिनांक 18.11.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जिला न्यायालय परिसर, नैनीताल में स्थित अधिकारियों के आवासों में प्रथम तल एवं द्वितीय तल हेतु सीढ़ी के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में ₹० 2,09,000/- के आगमन के विस्तृत टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत ₹० 2,04,000/- (रुपये दो लाख चार हजार मात्र) की लागत के आगमन की प्रशाम्भकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए रुपये 2,04,000/- (रुपये दो लाख चार हजार मात्र) की धनराशि के व्यय किये जाने की भी स्वीकृति महामहिम राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (1) आगमन में उल्लिखित दरों का विरलेपण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को, जो रटे शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा ।
- (2) कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों के विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जाय, तदुपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाय ।
- (3) कार्य को स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय । स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।
- (4) एक मुश्त प्राविधान का कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा ।
- (5) निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मद्देनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित किया जाय ।
- (6) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूतल-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य कर ली जाय । निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणों के अनुरूप कार्य किया जाय ।
- (7) आगमन में धनराशि जिन मदों हेतु स्वीकृत की गई है, उसी मद में व्यय की जाय । एक मद की राशि दूसरी मद में किसी भी दशा में व्यय न की जाय ।
- (8) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपर्युक्त पायी जानी वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय ।
- (9) व्यय से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूलस, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेश एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन किया जाय । कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी/अधिशाली अभियन्ता पूर्णरूप

- (10) स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.3.2007 तक पूर्ण उपयोग कर स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जाय ।
- (11) निर्माण कार्य कराते समय अथवा आगपन गठित कराते समय मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनआदेश संख्या 2047/XVI/219(2006), 30.5.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय ।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 की आय-व्ययक की अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा-शीर्षक "2014 न्याय प्रशासन-00-आयोजनेतर-105-सिविल और सेशन न्यायालय-03-जिला तथा सेशन न्यायाधीश-00-25-लघु निर्माण कार्य" के नामे डाला जायेगा ।
- 3- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-630/XXVII(S)/2006, दिनांक 17.10.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है ।

भवदीया,

(इन्दिरा आशीष)

सचिव ।

संख्या-51-पो(1)/XXXVI(1)/2006-तददिनांक ।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदार), अंबेकराय चिल्डिंग, उत्तरांचल, मानस, देहरादून ।
2. मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून ।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
4. मुख्य अभियन्ता, स्तर-1 लोक निर्माण विभाग, देहरादून ।
5. अधिरास्ती अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, नैनीताल ।
6. नियोजन विभाग/वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन ।
7. एन०एच०सी०/सम्बन्धित समीक्षा अधिकारी/गार्ड फाईल ।

आज्ञा से

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।

N.H.C

- (10) स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.3.2007 तक पूर्ण उपयोग कर स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जाय ।
- (11) निर्माण कार्य कराते समय अथवा आगमन गठित करते समय मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनादेश संख्या 2047/XVI/219(2006), 30.5.2006 द्वारा निर्गित आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय ।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 की आय-व्ययक की अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत संख्या-शीर्षक "2014 न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-105-सिविल और सेशन न्यायालय-03-जिला तथा सेशन न्यायाधीश-00-25-सद्यः निर्माण कार्य" के नामे ढाला जायेगा ।
- 3- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-630/XXVII(5)/2006 दिनांक 17.10.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है ।

भवदीया,

(इन्दिरा आशीष)

सचिव ।

संख्या-31-दो(1)/XXXVI(1)/2006-तद्दिनांक ।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. मासंस्त्राकार (लेखा एवं हकदारी), ओबराद चिल्डिंग, उत्तरांचल, माजरा, देहरादून ।
2. मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून ।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
4. मुख्य अभियन्ता, स्तर-1 लोक निर्माण विभाग, देहरादून ।
5. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, नैनीताल ।
6. नियोजन विभाग/वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन ।
7. एन०आईसी०/सम्बन्धित समीक्षा अधिकारी/गार्ड फाईल ।

आज्ञा से

(आलोक कुमार वर्मा)

अपर सचिव ।

N.I.C